भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3564

जिसका उत्तर मंगलवार 08 अगस्त, 2017 को दिया जाना है

भेल को घाटा

3564. श्री हरीश चन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) घाटे में चल रहा है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने भेल के और घाटे को भविष्य में रोकने हेतु कोई कार्रवाई की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): जी, नहीं। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) हानि में नहीं चल रही है। वित्तीय वर्ष 2015-16 को छोड़कर, जब बीएचईएल ने ₹(-)1164 करोड़ का कर-पूर्व लाभ सूचित किया था, कंपनी 1970 के दशक की शुरुआत से ही लगातार लाभ अर्जित कर रही है। हालांकि, पिछले वित्तीय वर्ष 2016-17 में बीएचईएल ने ₹628 करोड़ का कर-पूर्व लाभ अर्जित किया है।

(ग) और (घ): सरकार ने बीएचईएल में 2 सरकारी निदेशकों को मनोनीत किया है और वर्तमान में बीएचईएल के निदेशक मंडल में 5 स्वतंत्र निदेशक हैं जो सक्रिय रूप से कंपनी की कार्यनीतिक दिशानिर्देश में योगदान दे रहे हैं, कॉर्पोरेट कार्यनिष्पादन की समीक्षा और निगरानी कर रहे हैं, विनियामक अनुपालन और कॉर्पोरेट अभिशासन को सुनिश्चित कर रहे हैं तथा हितधारकों के हितों की रक्षा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल की कार्य-प्रणाली और कार्यनिष्पादन की समीक्षा नियमित रूप से भारी उद्योग विभाग द्वारा की जाती है। भारी उद्योग विभाग नीतिगत पहलों, उचित अंतरमंत्रालयी विमर्शों के माध्यम से इसकी योजनागत उपलब्धि को हासिल करने में भी कंपनी की सहायता करता है और समय-समय पर इसके विशिष्ट मुद्दों पर विचारविमर्श करता है।

*****